## Resource: अनुवाद प्रश्न (unfoldingWord)

**unfoldingWord® Translation Questions** © 2022 unfoldingWord. Released under CC BY-SA 4.0 license. unfoldingWord® Translation Questions has been adapted in the following languages: Tok Pisin, Arabic (عربي), French (Français), Hindi (हिंदी), Indonesian (Bahasa Indonesia), Portuguese (Português), Russian (Русский), Spanish (Español), Swahili (Kiswahili), and Simplified Chinese (简体中文) from unfoldingWord® Translation Questions © 2022 unfoldingWord. Released under CC BY-SA 4.0 license by Mission Mutual

# अनुवाद प्रश्न (unfoldingWord)

## JAS

*याकूब 1:1, याकूब 1:2, याकूब 1:3, याकूब 1:5, याकूब 1:6, याकूब 1:7–8, याकूब 1:10, याकूब 1:11, याकूब 1:12, याकूब 1:14, याकूब 1:15, याकूब 1:17, याकूब 1:18, याकूब 1:19, याकूब 1:22, याकूब 1:26, याकूब 1:27, याकूब 2:1, याकूब 2:3, याकूब 2:3 (#2), याकूब 2:4, याकूब 2:5, याकूब 2:6–7, याकूब 2:8, याकूब 2:10, याकूब 2:13, याकूब 2:14, याकूब 2:16, याकूब 2:17, याकूब 2:18, याकूब 2:19, याकूब 2:21, याकूब 2:22, याकूब 2:23, याकूब 2:25, याकूब 2:26, याकूब 3:1, याकूब 3:2, याकूब 3:2 (#2), याकूब 3:3, याकूब 3:4, याकूब 3:6, याकूब 3:8, याकूब 3:9, याकूब 3:11, याकूब 3:13, याकूब 3:15, याकूब 3:16, याकूब 3:17, याकूब 4:1, याकूब 4:3, याकूब 4:4, याकूब 4:6, याकूब 4:7, याकूब 4:8, याकूब 4:11, याकूब 4:15, याकूब 4:16, याकूब 4:17, याकूब 5:3, याकूब 5:4, याकूब 5:6, याकूब 5:7, याकूब 5:8, याकूब 5:10, याकूब 5:11, याकूब 5:12, याकूब 5:14, याकूब 5:16, याकूब 5:17, याकूब 5:18, याकूब 5:20*

### याकूब 1:1

**याकूब ने यह पत्र किसे लिखा था?**

याकूब ने यह पत्र उन बारह गोत्रों को लिखा जो तितर-बितर होकर रहते थे।

### याकूब 1:2

**परीक्षाओं का सामना करते समय, याकूब अपने पाठकों से किस प्रकार के दृष्टिकोण की अपेक्षा करते हैं?**

याकूब कहते हैं कि जब वे नाना प्रकार की परीक्षाओं में पड़ते हैं तो इसको पूरे आनन्द की बात समझें।

### याकूब 1:3

**हमारे विश्वास के परखे जाने से क्या उत्पन्न होता है?**

हमारे विश्वास के परखे जाने से धीरज उत्पन्न होता है।

### याकूब 1:5

**हमे क्या परमेश्वर से माँगना चाहिए यदि हमारे पास उसकी घटी हो?**

यदि हमें घटी हो, तो हमें परमेश्वर से बुद्धि माँगनी चाहिए।

### याकूब 1:6

**सन्देह करने वाला व्यक्ति कैसा होता है?**

जो कोई सन्देह करता है, वह समुद्र की उस लहर के समान होता है जो हवा से बहती और उछलती है।

### याकूब 1:7–8

**जो कोई सन्देह के साथ माँगता हैं, उन्हें क्या प्राप्त होने की आशा रखनी चाहिए?**

जो कोई सन्देह के साथ माँगता है, उसे प्रभु से कुछ प्राप्त करने की आशा नहीं करनी चाहिए।

### याकूब 1:10

**धनवानों को अपनी नीच दशा पर घमण्ड क्यों करना चाहिए?**

धनवानों को अपनी नीच दशा पर घमण्ड करना चाहिए क्योंकि वे घास के फूल की तरह मिट जाएँगे।

### याकूब 1:11

**धनवानों की तुलना किससे की जा सकती है?**

धनवानों की तुलना उस घास के फूल से की जा सकती है जो सूख जाता है, झड़ जाता है और उसकी शोभा मिटती जाती है।

## याकूब 1:12

**जो लोग विश्वास की परीक्षा में स्थिर रहेंगे, उन्हें क्या प्राप्त होगा?**

जो लोग विश्वास की परीक्षा में स्थिर रहेंगे, उन्हें जीवन का मुकुट प्राप्त होगा।

## याकूब 1:14

**किस कारण से कोई व्यक्ति दुष्ट द्वारा परीक्षा में डाला जाता है?**

एक व्यक्ति की अपनी ही अभिलाषा उसे दुष्ट द्वारा परीक्षा में डालती है।

## याकूब 1:15

**जब पाप बढ़ जाता है तो परिणाम क्या होता है?**

जब पाप बढ़ जाता है तो मृत्यु को उत्पन्न करता है।

## याकूब 1:17

**ज्योतियों के पिता से क्या मिलता है?**

हर एक अच्छा वरदान और हर एक उत्तम दान ज्योतियों के पिता से आता है।

## याकूब 1:18

**परमेश्वर ने हमें उत्पन्न करने के लिए कौन सा साधन चुना हैं?**

परमेश्वर ने हमें सत्य के वचन के द्वारा उत्पन्न किया।

## याकूब 1:19

**याकूब हमें हमारी सुनने, बोलने और भावनाओं के बारे में क्या करने के लिए कहते हैं?**

याकूब हमें सिखाते हैं कि हम सुनने के लिये तत्पर और बोलने में धीर और क्रोध में धीमा रहें।

## याकूब 1:22

**याकूब कैसे कहते हैं कि अपने आपको धोखा दे सकते हैं?**

याकूब कहते हैं कि हम अपने आपको धोखा दे सकते हैं यदि हम वचन को सुनते हैं लेकिन उस पर चलते नहीं हैं।

## याकूब 1:26

**सच्चे भक्त बनने के लिए हमें अपने आचरण और विचारों को कैसे नियंत्रित करना चाहिए?**

सच्चे भक्त बनने के लिए हमें अपनी जीभ पर लगाम रखना चाहिए।

## याकूब 1:27

**परमेश्वर के सामने शुद्ध और निर्मल भक्ति क्या है?**

परमेश्वर के सामने शुद्ध और निर्मल भक्ति यह है कि अनाथों और विधवाओं के क्लेश में उनकी सुधि लें, और अपने आपको संसार से निष्कलंक रखें।

## याकूब 2:1

**विश्वासियों को कौन सा व्यवहार नहीं अपनाना चाहिए?**

उन्हें पक्षपात का व्यवहार नहीं अपनाना चाहिए।

## याकूब 2:3

**विश्वासी एक धनी पुरुष को जो उनकी बैठक में प्रवेश करता है, क्या कह रहे हैं?**

वे उन्हें सबसे अच्छी जगह पर आगे आने के लिए कह रहे हैं।

## याकूब 2:3 (#2)

**विश्वासी एक कंगाल व्यक्ति से क्या कह रहे हैं जो उनकी सभा में प्रवेश करता है?**

वे उन्हें दूर या पाँवों के पास खड़े होने के लिए कह रहे हैं।

## याकूब 2:4

**अपने भेद भाव के कारण विश्वासियों की क्या स्थिति हो गई है?**

वे कुविचार से न्याय करनेवाले ठहरे।

## याकूब 2:5

**याकूब परमेश्वर द्वारा कंगालों के चुनाव के बारे में क्या कहते हैं?**

याकूब कहते हैं कि परमेश्वर ने कंगालों को विश्वास में धनी बनने और राज्य के उत्तराधिकारी बनने के लिए चुना है।

## याकूब 2:6–7

**याकूब कहते हैं कि धनी लोग क्या कर रहे हैं?**

याकूब कहते हैं कि धनी भाई अत्याचार कर रहे हैं और परमेश्वर के नाम की निन्दा कर रहे हैं।

## याकूब 2:8

**पवित्रशास्त्र की राज व्यवस्था क्या है?**

राज व्यवस्था यह है, "तू अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम रख"।

## याकूब 2:10

**जो कोई परमेश्वर की व्यवस्था की एक ही बात में चूक जाए तो वह किसका दोषी है?**

जो कोई परमेश्वर की व्यवस्था की एक ही बात में चूक जाए, वह सब बातों में दोषी ठहरता है।

## याकूब 2:13

**जो लोग दया नहीं दिखाते, उनका क्या होगा?**

जो लोग दया नहीं दिखाते, उनका न्याय बिना दया के होगा।

## याकूब 2:14

**याकूब उन लोगों के बारे में क्या कहते हैं जो यह दावा करते हैं कि उनके पास विश्वास है, लेकिन वे जरूरतमंदों की सहायता नहीं करते?**

याकूब कहते हैं कि जो लोग दावा करते हैं कि उनके पास विश्वास है, लेकिन जरूरतमंदों की सहायता नहीं करते, उनके पास ऐसा विश्वास है जो उन्हें उद्धार नहीं दे सकता।

## याकूब 2:16

**क्या यह किसी कंगाल व्यक्ति की सहायता करता है यदि हम उनसे कहें कि वे गर्म और तृप्त रहें, लेकिन उन्हें कुछ भी न दें?**

नहीं, यह एक कंगाल व्यक्ति की सहायता नहीं करता है यदि हम उन्हें कुछ भी गर्म करने या खिलाने के लिए नहीं देते।

## याकूब 2:17

**यदि विश्वास के साथ कोई कर्म नहीं हैं, तो वह विश्वास क्या है?**

केवल विश्वास, यदि इसके साथ कोई कर्म नहीं होता, तो वह स्वभाव में मरा हुआ है।

## याकूब 2:18

**याकूब क्या बताते हैं कि हमें अपने विश्वास को कैसे प्रदर्शित करना चाहिए?**

याकूब कहते हैं कि हमें अपने कर्मों के द्वारा अपने विश्वास को प्रदर्शित करना चाहिए।

## याकूब 2:19

**दुष्टात्मा और वे लोग जो दावा करते हैं कि उनके पास विश्वास है, दोनों किस बात पर विश्वास करते हैं?**

जो लोग दावा करते हैं कि उनके पास विश्वास है, उन्हें यह समझना चाहिए कि दुष्टात्मा भी यह मानते हैं कि एक ही परमेश्वर हैं।

## याकूब 2:21

**अब्राहम ने अपने कर्मों के माध्यम से अपने विश्वास को कैसे प्रकट किया?**

अब्राहम ने अपने कर्मों के माध्यम से अपना विश्वास प्रदर्शित किया जब उन्होंने इसहाक को वेदी पर चढ़ाया।

## याकूब 2:22

**अब्राहम का विश्वास कैसे सिद्ध हुआ?**

अब्राहम का विश्वास उनके कर्मों के द्वारा सिद्ध हुआ।

## याकूब 2:23

**अब्राहम के विश्वास और कर्मों के साथ कौन सा पवित्रशास्त्र का वचन पूरा हुआ?**

पवित्रशास्त्र का वह वचन पूरा हुआ जो कहता है, "अब्राहम ने परमेश्वर पर विश्वास किया, और यह उसके लिये धार्मिकता गिनी गई।"

## याकूब 2:25

**राहाब ने अपने कर्मों के माध्यम से अपने विश्वास को कैसे प्रकट किया?**

राहाब ने अपने कर्मों के द्वारा अपना विश्वास प्रकट किया जब उन्होंने दूतों को अपने घर में उतारा और दूसरे मार्ग से विदा किया।

## याकूब 2:26

**आत्मा बिना देह क्या है?**

आत्मा बिना देह मरी हुई है।

## याकूब 3:1

**याकूब क्यों कहते हैं कि बहुत लोग उपदेशक न बनें?**

बहुत लोग उपदेशक न बनें क्योंकि उनका सख्ती से न्याय किया जाएगा।

## याकूब 3:2

**कौन चूक जाते हैं, और कितने प्रकार से?**

हम सब बहुत बार चूक जाते हैं।

## याकूब 3:2 (#2)

**कैसा व्यक्ति अपने सारी देह पर लगाम लगा सकता है?**

जो व्यक्ति अपने वचन में नहीं चूकता, वे सारी देह पर भी लगाम लगा सकता है।

## याकूब 3:3

**कौन सी छोटी सी चीज़ एक बड़े जहाज को उस दिशा में ले जा सकती है जहाँ माँझी उसे ले जाना चाहते हैं?**

एक छोटी सी पतवार एक बड़े जहाज को घुमा सकती है।



## याकूब 3:4

**कौन सी छोटी चीज़ वन में बड़ी आग लगाने में सक्षम है?**

थोड़ी सी आग वन में बड़ी आग लगाने में सक्षम है।

## याकूब 3:6

**पापी जीभ सारी देह पर क्या कर सकती है?**

पापी जीभ सारी देह पर कलंक लगा सकती है।

## याकूब 3:8

**मनुष्यों में से कोई किसे वश में नहीं कर सकता?**

मनुष्यों में से कोई भी जीभ को वश में नहीं कर सकता।

## याकूब 3:9

**लोग अपनी जीभ से परमेश्वर और मनुष्यों के साथ किन दो तरीकों से व्यवहार करते हैं?**

एक ही जीभ से, वे परमेश्वर की स्तुति करते हैं और मनुष्यों को श्राप देते हैं।

## याकूब 3:11

**सोता कौन सी दो चीजें प्रदान नहीं कर सकता?**

एक सोता मीठा और खारा जल दोनों नहीं दे सकता।

## याकूब 3:13

**एक व्यक्ति ज्ञान और समझ का प्रदर्शन कैसे करता है?**

एक व्यक्ति अपने कामों के माध्यम से नम्रता से किये गए ज्ञान और समझ का प्रदर्शन करता है।

## याकूब 3:15

**किस प्रकार की बुद्धि व्यक्ति को ईर्ष्यालु और विरोधी बनाती है, और झूठ बोलने के लिए प्रेरित करती है?**

जो ज्ञान सांसारिक, शारीरिक और शैतानी होता है, वह व्यक्ति को ईर्ष्यालु और विरोधी बनाती है, और झूठ बोलने के लिए प्रेरित करती है।

## याकूब 3:16

**ईर्ष्या और विरोध के क्या परिणाम होते हैं?**

ईर्ष्या और विरोध बखेड़ा और हर प्रकार के का दुष्कर्म का कारण बनती हैं।

## याकूब 3:17

**जो ज्ञान ऊपर से आता है किन दृष्टिकोणों को दर्शाता है?**

एक व्यक्ति जो मिलनसार, कोमल, मृदुभाव, दया और अच्छे फलों से लदा हुआ और पक्षपात और कपटरहित होता है, उसके पास ऊपर से प्राप्त ज्ञान होता है।

## याकूब 4:1

**याकूब विश्वासियों के बीच लड़ाइयों और झगड़ों का स्रोत क्या कहता है?**

स्रोत वे सुख-विलास हैं जो उनके बीच झगड़े कराती है।

## याकूब 4:3

**विश्वासी अपनी प्रार्थनाओं का उत्तर परमेश्वर से प्राप्त क्यों नहीं करते?**

वे प्राप्त नहीं करते क्योंकि वे बुरी इच्छा से माँगते हैं ताकि अपने भोग-विलास में उड़ा सकें।

## याकूब 4:4

**यदि कोई व्यक्ति संसार का मित्र बनने का निर्णय लेता है, तो उस व्यक्ति का परमेश्वर के साथ क्या सम्बन्ध होता है?**

जो व्यक्ति संसार का मित्र बनने का निर्णय लेते हैं, वे परमेश्वर के बैरी बन जाते हैं।

## याकूब 4:6

**परमेश्वर किनका विरोध करते हैं, और किस पर अनुग्रह करते हैं?**



परमेश्वर अभिमानियों से विरोध करते हैं, पर नम्रों पर अनुग्रह करते हैं।

## याकूब 4:7

**जब एक विश्वासी स्वयं को परमेश्वर के अधीन करता है और शैतान का सामना करता है, तो शैतान क्या करेगा?**

शैतान भाग निकलेगा।

## याकूब 4:8

**जो लोग परमेश्वर के निकट आते हैं, उनके लिए परमेश्वर क्या करेंगे?**

परमेश्वर उनके निकट आते हैं जो उनके निकट आते हैं।

## याकूब 4:11

**याकूब विश्वासियों से क्या करने से मना करते हैं?**

याकूब विश्वासियों से कहते हैं कि एक-दूसरे की निन्दा न करें।

## याकूब 4:15

**भविष्य में क्या होगा इसके बारे में याकूब विश्वासियों को क्या कहने के लिए कहते हैं?**

याकूब विश्वासियों से कहते हैं कि यदि प्रभु चाहे तो हम जीवित रहेंगे, और यह या वह काम भी करेंगे।

## याकूब 4:16

**याकूब उन लोगों के बारे में क्या कहते हैं जो अपनी ड़ींग मारने पर घमण्ड करते हैं?**

याकूब कहते हैं कि जो लोग अपनी ड़ींग मारने पर घमण्ड करते हैं, वे बुरा कर रहे हैं।

## याकूब 4:17

**अगर कोई भलाई करना जानता है, लेकिन नहीं करता तो यह क्या है?**

जो कोई भलाई करना जानता है और नहीं करता, उसके लिये यह पाप है।

## याकूब 5:3

**जिन धनी लोगों के बारे में याकूब बात कर रहे हैं, उन्होंने अन्तिम युग में ऐसा क्या किया है जो उनके खिलाफ गवाही देगा?**

धनी लोगों ने अपने लिए धन बटोरा है।

## याकूब 5:4

**इन धनी लोगों ने अपने मजदूरों के साथ कैसा व्यवहार किया है?**

इन धनी लोगों ने अपने मजदूरों को उनकी मजदूरी नहीं दी।

## याकूब 5:6

**इन धनी लोगों ने धर्मी के साथ कैसा व्यवहार किया है?**

इन धनी लोगों ने धर्मी को दोषी ठहराकर मार डाला।

## याकूब 5:7

**याकूब क्या कहते हैं कि विश्वासियों का रवैया प्रभु के आगमन के प्रति कैसा होना चाहिए?**

विश्वासियों को प्रभु के आगमन तक धीरज धरना चाहिए।

## याकूब 5:8

**विश्वासियों को प्रभु के आगमन तक धीरज धरते समय अपने हृदय को दृढ़ क्यों करना चाहिए?**

उन्हें अपने हृदयों को दृढ़ करना चाहिए क्योंकि प्रभु का आगमन निकट है।

## याकूब 5:10

**पुराने नियम के भविष्यद्वक्ताओं का दुःख और धीरज हमारे क्या बनना चाहिए?**

पुराने नियम के भविष्यवक्ताओं का दुःख और धीरज हमारे लिए एक आदर्श होना चाहिए।

## याकूब 5:11

**अय्यूब ने कौन से सकारात्मक चरित्र गुण प्रदर्शित किए?**

अय्यूब ने धीरज दिखाया।

## याकूब 5:12

**याकूब एक विश्वासी के "हाँ" और "नहीं" की विश्वसनीयता के बारे में क्या कहते हैं?**

एक विश्वासी का "हाँ" का अर्थ "हाँ" ही होना चाहिए और उनका "नहीं" का अर्थ "नहीं" ही होना चाहिए।

## याकूब 5:14

**जो लोग रोगी हैं, उन्हें क्या करना चाहिए?**

रोगी को प्राचीनों को बुलाना चाहिए ताकि वे उनके लिए प्रार्थना कर सकें और उन पर तेल मल सकें।

## याकूब 5:16

**याकूब के अनुसार चंगा होने के लिए विश्वासियों को एक दूसरे के साथ कौन सी दो चीजें करनी चाहिए?**

विश्वासियों को एक-दूसरे के सामने अपने-अपने पापों को मान लेना चाहिए और एक-दूसरे के लिए प्रार्थना करनी चाहिए।

## याकूब 5:17

**जब एलिय्याह ने प्रार्थना की कि बारिश न बरसे, तब क्या हुआ?**

साढ़े तीन वर्ष तक भूमि पर बारिश नहीं हुई।

## याकूब 5:18

**जब एलिय्याह ने फिर से बारिश के लिए प्रार्थना की, तो क्या हुआ?**

जब उन्होंने फिर से प्रार्थना की, तो आकाश से वर्षा हुई, और भूमि फलवन्त हुई।

## याकूब 5:20

**जो कोई एक पापी को उसके भटके हुए मार्ग से फेर लाता है, वह क्या प्राप्त करता है?**

**याकूब** *5:20*

जो व्यक्ति एक पापी को **उसके भटके हुए मार्ग से फेर लाता है**, वह एक प्राण को मृत्यु से बचाता है और अनेक पापों पर परदा डालता है।